क्विक हील फाउंडेशन ने लॉन्च की 'साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा-अर्न एंड लर्न' पहल

नितिन जैन

दिल्ली। वेवनार द्वारा आयोजित क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपनी सीएसआर इकाई - क्विक हील फाउंडेशन के माध्यम से असम के बारपेटा में अपनी साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा-अर्न ऐंड लर्न पहल के माध्यम से लांच किया। क्विक हील की ऑपरेशनल एक्सीलेंस की चीफ और क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन अनुपमा काटकर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। स्थानीय एनजीओ, सृजन-एक सोच के सहयोग से यह पहल इस क्षेत्र में 40,000 स्टूडेंट्स और 10,000 ग्रामीणों तक पहुंच बनाएगी इसकी मदद से लोगों के बीच डिजिटल व्यवहारों पर जागरूकता फैलाने साइबर सुरक्षा के प्रति तत्परता को मजबूत करने का काम किया जाएगा।

भारत में 250 सर्वाधिक पिछड़े जिलों में से एक बारपेटा को वर्ष 2006 से पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि प्रोग्राम का लाभ मिल रहा है। साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा - अर्न ऐंड लर्न पहल बारपेटा में युवाओं के सर्वांगीण विकास के प्रति समर्पित है। इसका लक्ष्य युवाओं को साइबर सुरक्षा से आगे तक के कौशल से लैस करना है। इसमें व्यक्तित्व विकास, व्यावहारिक कौशल और पब्लिक स्पीकिंग सहित शिक्षा पर जोर दिया गया है। इस प्रोग्राम में इन युवाओं को विभिन्न व्यावहारिक ज्ञान का अनुभव देकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। जिससे कि वे सुविधाओं से वंचित क्षेत्रों में आने वाली बाधाओं को पार करने के योग्य बन सकें। इसके अलावा, यह पहल इन युवाओं को रोजगार के भावी अवसरों के लिए तैयार करके उनके स्थानीय रोजगार बाजार और व्यापक समाज, दोनों में बहुमूल्य अंशदाता बनायेगी।

इस प्रोग्राम के तहत, स्थानीय समुदाय और स्थानीय कॉलेजों के स्टूडेंट्स के बीच से कंप्यूटर साइंस की शिक्षा देने वाले लगभग 40 वालंटियर का चयन किया जाएगा। ये वालंटियर इस आकांक्षी जिले में असम साइबर वॉरियर्स के रूप में काम करेंगे और स्थानीय आबादी के बीच साइबर सुरक्षा पर जागरूकता बढ़ाएंगे। इन वॉलंटियर्स के लिए प्रशिक्षण में व्यावहारिक कौशल और सामान्य साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता पर केन्द्रित चार घंटे के ऑनलाइन स्तर शामिल हैं। इसके अलावा ऑफलाइन सत्र भी होंगे, जहाँ इन्हें व्यक्तित्व विकास, टीम निर्माण, लक्ष्य निर्धारण और पब्लिक स्पीकिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ये साइबर वॉरियर्स स्कूल के बच्चों और समुदाय से संपर्क करेंगे और उन्हें फिशिंग स्कैम्स, साइबर धमकी, फर्जी खबरों, ऑनलाइन शॉपिंग घोटालों आदि सहित संभावित डिजिटल खतरों के बारे में स्थानीय भाषा में शिक्षा प्रदान करेंगे। इस पहल के द्वारा व्यापक साइबर सुरक्षा जागरूकता सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीणों के साथ उनकी सुविधा के अनुसार दिन में और रात में साइबर चौपाल का आयोजन भी किया जाएगा। क्विक हील की ऑपरेशनल एक्सीलेंस की चीफ और क्विक हील फाउंडेशन की चेयरपर्सन, अनुपमा काटकर ने कहा कि, साइबर शिक्षा फॉर साइबर सुरक्षा-अर्न ऐंड लर्न को लॉन्च करके हम बहुत उत्साहित हैं। यह हमारे समुदायों को सशक्त करने और उन्हें डिजिटल परिदृश्य में सुरक्षा के साथ आगे बढ़ने के लिए जरूरी ज्ञान और कौशल से लैस करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सृजन-एक सोच के सीईओ, विकास कुमार तिवारी ने कहा कि, हम आज के आयोजन को सफल बनाने में बारपेटा के लोगों और गाँवों के नेताओं के शानदार सहयोग के लिए आभारी हैं। इस प्रोग्राम के लिए चुने गये स्टूडेंट्स असम और इसके बाहर के लोगों के लिए रोल मॉडल्स बनेंगे और दूसरों को भी बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करेंगे।